



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

NOTWITHSTANDING DIFFERENCES OF OPINION, THERE IS CONSENSUS ON ISSUES OF PUBLIC WELFARE: LOK SABHA SPEAKER/मतभिन्नताओं के बावजूद, लोक कल्याण के मुद्दों पर सर्वसहमति है: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER UNVEILS BUST OF DR.PANDURANG KHANKHOJE IN CHAPINGO UNIVERSITY IN MEXICO/लोक सभा अध्यक्ष ने मेक्सिको के चापिंगो विश्वविद्यालय में डॉ. पांडुरंग खानखोजे की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया

...

THE CREDIT OF MEXICO'S GREEN REVOLUTION GOES TO INDIAN REVOLUTIONARY DR. PANDURANG KHANKHOJE: LOK SABHA SPEAKER/मेक्सिको की हरित क्रांति का श्रेय भारतीय क्रांतिकारी, डॉ. पांडुरंग खानखोजे को जाता है: लोक सभा अध्यक्ष

...

DR.PANDURANG KHANKHOJE IS A TRUE INSPIRATION FOR THE POSTERITY: LOK SABHA SPEAKER/डॉ. पांडुरंग खानखोजे भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं:लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER MEETS PRESIDENT OF THE CHAMBER OF DEPUTIES IN MEXICO/लोक सभा अध्यक्ष ने मेक्सिको में चेंबर ऑफ डेप्युटीज के प्रेसिडेंट से मुलाकात की

...

LOK SABHA SPEAKER PAYS FLORAL TRIBUTES AT THE STATUE OF MAHATMA GANDHI AT CHAPULTEPEC PARK IN MEXICO CITY/लोक सभा अध्यक्ष ने मेक्सिको सिटी के चापुल्टेपेक पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

...

LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES INDIA-MEXICO FRIENDSHIP GARDEN/लोक सभा अध्यक्ष ने भारत-मेक्सिको मैत्री उद्यान का उद्घाटन किया

...

Mexico City/New Delhi; 2 September, 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla who is leading an Indian Parliamentary Delegation to Mexico, unveiled a bust of freedom fighter Dr.Pandurang Khankhoje in Chapingo University in Mexico, today.

Speaking on this occasion, Shri Birla recalled that Dr.Pandurang Khankhoje was an outstanding Indian revolutionary, scholar, agricultural scientist and statesman who was among the founding fathers of Ghadar Party. While contributing to the prosperity of Mexican Agriculture, he brought about socio-economic change in the lives of millions of people. Shri Birla hailed Dr. Khankhoje as a true inspiration for the posterity who will continue to define Mexico's journey towards development.

Shri Birla further added that at a time when martyrs like Dr. Khankhoje are being remembered and efforts are being made in India to bring their life journey as an inspiration for others, we have made his memory lasting forever for the people of India and Mexico by paying our heartfelt tributes to him.

Shri Birla also visited Chapingo University in Mexico, the oldest agricultural university in Latin America. H.E. Dr. Victor Villalobos, Hon'ble Minister of Agriculture and Rural Dev. & Dr. Jose Ramirez, Rector of the university briefed Shjri Birla about functioning of the agricultural university. The dignitaries

discussed about expanding trade in agricultural and food processing sectors and leveraging innovations in these sectors in our two countries.

Later, Shri Birla called on President of the Chamber of Deputies in Mexico H.E. Mr. Santiago Creel. In a warm and cordial atmosphere, the dignitaries discussed several matters of mutual importance. Shri Birla observed that India and Mexico has historically close relations and Mexico was the first country to recognize India as an independent country in 1947. Recalling that the discovery of Mexico to the modern world was the result of an expedition that was initiated to explore India, Shri Birla noted that the relations between the two countries, in terms of trade, economy and culture, have grown from strength to strength ever since. Both the countries are also sharing best practices for strengthening parliamentary democracy in the world, Shri Birla noted.

Mentioning about successful governance in India through democratic means, Shri Birla said that Indian Parliament is the epitome of will and aspirations of the people of India. Observing that Parliament of India is consistently working to bring rapid socio-economic transformation in the lives of people, he informed that matters of public importance are raised in Parliament by Members of both ruling and opposition parties. Notwithstanding differences of opinion, there is consensus on issues of public welfare, praised Shri Birla. He further added that parliamentary committees are functioning as effective mechanisms to ensure accountability of the Executive.

Observing that there are striking similarities between civilizational and cultural journeys of India and Mexico, Shri Birla lauded bonhomie in their multi-ethnic and multi-religious societies. He also mentioned that both Parliaments have entered into as many as 10 agreements which put an onerous responsibility upon us to further strengthen bilateral engagement. Emphasizing on India's commitment to become a developed nation by 2047, Shri Birla said that an action plan is ready in this regard.

Shri Birla also visited the Parliament of Mexico where he was briefed about functioning of the Mexican Parliament. Shri Birla observed several similarities between the democratic traditions of India and Mexico. "It reaffirmed my belief that Parliament is a place for debates and discussions and for policy making which facilitates the welfare of the people. The last person in the queue should benefit from our laws and policies", said Shri Birla.

Shri Birla paid floral tributes at the Statue of Mahatma Gandhi at Chapultepec Park in Mexico City. On this occasion, Shri Birla said that Mahatma Gandhi's teachings

across geographical borders and time continue to guide us in the 21st century towards a world built on the principles of equality, justice, peace and harmony.

Earlier, Shri Birla inaugurated India-Mexico friendship garden in Mexican Parliament Complex. Speaking on the occasion, Shri Birla observed that this Organic Friendship Garden is a living symbol of the strong bond of friendship between India and Mexico. Shri Birla hoped that the India-Mexico Friendship Park, which symbolizes the vibrancy of relations between the two countries, would spread the energy and fragrance of democracy to the whole world. This Friendship Garden will continue to be a symbol of the close bonding between the citizens of both the countries. Shri Birla also expressed confidence that the relations between India and Mexico will continue to flourish like the flowers of this garden.

मेक्सिको सिटी/नई दिल्ली; 2 सितंबर, 2022: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला, जो मेक्सिको में एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, ने आज मेक्सिको में चापिंगो विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता सेनानी, डॉ. पांडुरंग खानखोजे की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि डॉ. पांडुरंग खानखोजे एक उत्कृष्ट भारतीय क्रांतिकारी, विद्वान, कृषि वैज्ञानिक और राजनेता थे, जो ग़दर पार्टी के संस्थापकों में से एक थे। मेक्सिको में कृषि क्षेत्र में उनके योगदान से इस क्षेत्र में खुशहाली आए और लाखों लोगों के जीवन में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन आया। श्री बिरला ने कहा कि डॉ. खानखोजे भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं जिनका नाम मेक्सिको की विकास यात्रा के साथ जुड़ा रहेगा।

श्री बिरला ने आगे कहा कि ऐसे समय में, जब डॉ. खानखोजे जैसे शहीदों को याद किया जा रहा है और भारत में उनकी जीवन यात्रा को प्रेरणास्रोत के रूप में लोकप्रिय बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, हमने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करके हमने उनकी स्मृति को भारत और मेक्सिको के लोगों के लिए हमेशा के लिए यादगार बना दिया है।

श्री बिरला ने मेक्सिको में चापिंगो विश्वविद्यालय का दौरा भी किया। यह लैटिन अमेरिका का सबसे पुराना कृषि विश्वविद्यालय है। माननीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री, डॉ. विक्टर विलालोबोस और विश्वविद्यालय के रेक्टर, डॉ. जोस रामिरेज़ ने श्री बिरला को कृषि

विश्वविद्यालय के कामकाज के बारे में जानकारी दी। गणमान्य व्यक्तियों के बीच दोनों देशों में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में व्यापार के विस्तार और इन क्षेत्रों में नवाचारों का लाभ उठाने के बारे में चर्चा हुई।

बाद में, श्री बिरला ने मेक्सिको में चैंबर ऑफ डेप्युटीज के प्रेसिडेंट, महामहिम श्री सैंटियागो क्रील से मुलाकात की। गर्मजोशी भरे और सौहार्दपूर्ण माहौल में विशिष्टजनों के बीच पारस्परिक महत्व के कई मामलों पर चर्चा हुई। श्री बिरला ने टिप्पणी की कि भारत और मेक्सिको के बीच ऐतिहासिक घनिष्ठ संबंध हैं और मेक्सिको 1947 में भारत को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने वाला पहला देश था। इस बात का स्मरण करते हुए कि भारत की खोज पर निकले अभियान के फलस्वरूप मेक्सिको की खोज हुई और आधुनिक दुनिया को इसके बारे में पता चला, श्री बिरला ने कहा कि तब से दोनों देशों के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के क्षेत्र में संबंध मजबूत होते गए हैं। श्री बिरला ने कहा कि दोनों देश दुनिया में संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को भी साझा कर रहे हैं।

भारत में लोकतांत्रिक साधनों के माध्यम से सफलतापूर्वक शासन किए जाने का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारतीय संसद भारत के लोगों की इच्छा और आकांक्षाओं का प्रतीक है। यह टिप्पणी करते हुए कि भारत की संसद लोगों के जीवन में तेजी से सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने के लिए लगातार काम कर रही है, उन्होंने बताया कि सार्वजनिक महत्व के मामलों को सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों दलों के सदस्यों द्वारा संसद में उठाया जाता है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि मतभिन्नताएँ होते हुए भी जनकल्याण के मुद्दों पर आम सहमति होती है। उन्होंने आगे कहा कि संसदीय समितियां कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रभावी तंत्र के रूप में कार्य कर रही हैं।

यह टिप्पणी करते हुए कि भारत और मेक्सिको की सभ्यता और संस्कृति के बीच उल्लेखनीय समानताएं हैं, श्री बिरला ने दोनों देशों के बहु-जातीय और बहु-धार्मिक समाजों में सद्भाव और भाईचारे की सराहना की। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि दोनों संसदों ने 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे हम पर द्विपक्षीय संबंधों को और

मजबूत करने की एक बड़ी जिम्मेदारी है। श्री बिरला ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि इस संबंध में कार्ययोजना तैयार है।

श्री बिरला ने मेक्सिको की संसद का दौरा भी किया जहां उन्हें मैक्सिकन संसद के कामकाज के बारे में जानकारी दी गई। श्री बिरला को भारत और मेक्सिको की लोकतांत्रिक परंपराओं के बीच कई समानताएं दिखाई दीं। श्री बिरला ने कहा कि “इससे मेरे विश्वास की पुष्टि हुई है कि संसद वाद-विवाद और चर्चा तथा नीति निर्माण का मंच है जिसके माध्यम से जन कल्याण होता है। कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को हमारे कानूनों और नीतियों से लाभान्वित होना चाहिए”।

श्री बिरला ने मेक्सिको सिटी के चापुल्टेपेक पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि भौगोलिक सीमाओं और समय की सीमा से परे महात्मा गांधी की शिक्षाएं 21वीं सदी में भी समानता, न्याय, शांति और सद्भाव के सिद्धांतों पर निर्मित दुनिया की स्थापना में हमारा मार्गदर्शन कर रही हैं।

इससे पहले, श्री बिरला ने मैक्सिको की संसद के परिसर में भारत-मेक्सिको मैत्री उद्यान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि यह ऑर्गेनिक फ्रेंडशिप गार्डन भारत और मैक्सिको के बीच मित्रता के मजबूत बंधन का जीवंत प्रतीक है। श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि भारत-मेक्सिको मैत्री उद्यान, जो दोनों देशों के बीच संबंधों की जीवंतता का प्रतीक है, से लोकतंत्र की ऊर्जा और विशेषता पूरी दुनिया में फैलेगी। यह मैत्री उद्यान दोनों देशों के नागरिकों के बीच घनिष्ठ संबंध का प्रतीक बना रहेगा। श्री बिरला ने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि भारत और मेक्सिको के संबंध इस उद्यान के फूलों की तरह फलते-फूलते रहेंगे।